

121

संख्या:-563/XX-1/11-96नि./2008

प्रेषक

जे. पी. जोशी,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में

पुलिस महानिदेशक,
पुलिस मुख्यालय,
देहरादून

गृह अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक:-19 सितम्बर, 2011

विषय:-जनपद देहरादून में विभिन्न स्थलों पर स्वीकृत श्रेणी द्वितीय के 48 आवासीय भवनों का निर्माण कार्य हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पुलिस मुख्यालय के पत्र संख्या डीजी-दो-67-2008(2) दिनांक 24 फरवरी, 2011 के सन्दर्भ में शासनादेश संख्या 142/XX(1)/96-निर्माण/आयोजनागत/2008-09 दिनांक 26 फरवरी, 2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून में पुलिस विभाग के अन्तर्गत विभिन्न स्थलों पर स्वीकृत, श्रेणी द्वितीय के कुल 48 आवासीय भवनों के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने हेतु उपलब्ध कराये गये पुनरीक्षित आगणन का तकनीकी परीक्षणोपरान्त कुल रुपये 397.44 लाख पर वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुये संलग्नकानुसार अवशेष धनराशि के सापेक्ष वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011-12 में रुपये 100 लाख (रुपये एक करोड़ मात्र) अवमुक्त कर व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग देहरादून उत्तराखण्ड को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग तथा कार्यपूर्ण किया जाना प्रत्येक दशा में वर्तमान वित्तीय वर्ष में ही सुनिश्चित किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा। स्वीकृति सम्बन्धी मूल शासनादेश की सभी शर्तें यथावत रहेंगी।

3- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें।

क्रमशः 2...

- 4- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर किया जायेगा तथा कार्य की अनुमोदित लागत तक ही रखा जायेगा। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
 - 5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्बन्धित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को उपलब्ध करायी जायेगी।
 - 6- स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल एवं अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों तथा शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
 - 7- धनराशि उन्ही मदों पर व्यय की जाय जिसके लिये स्वीकृत की जा रही है।
 - 8- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
 - 9- अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय शीघ्रता से सुनिश्चित करते हुये इसका वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत करें। विलम्ब की दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
 - 10- स्वीकृत कार्य समयबद्ध रूप से अनुमोदित लागत में पूर्ण किया जायेगा तथा कार्यदायी संस्था से वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर एम.ओ.यू. हस्ताक्षर किया जाय।
 - 11- उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय आय-व्ययक वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-10 लेखाशीर्षक, 4055-पुलिस पर पूंजीगत परिव्यय, 211-पुलिस आवास, 03-पुलिस विभाग के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु व्यवस्था(चालू कार्य) आयोजनागत के मानक मद 24-वृहद् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
 - 12- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शासकीय पत्र संख्या:- 91/PLAN/XXVii(5)/2011 दिनांक 15 सितम्बर, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय

(जे. पी. जोशी)
संयुक्त सचिव

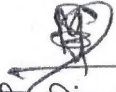
कमश: 3...

शासनादेश संख्या:- दिनांक 19 सितम्बर, 2011 का संलग्नक

(धनराशि रुपये लाख में)

कार्य का विवरण	जनपद	निर्माण इकाई	अनुमोदित लागत	अद्यतन अवमुक्त धनराशि	अनुमोदित लागत के सापेक्ष अवशेष धनराशि	वित्तीय वर्ष 2011-12 में अवमुक्त धनराशि
श्रेणी द्वितीय के 48 आवासीय भवनों का निर्माण कार्य	देहरादून	ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग, देहरादून	397.44	223	174.44	100

(रुपये एक करोड़ मात्र)


(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव